was set up under the Chairmanship of Dr. Shanker N. Acharya to look into the reasons for slow down in the Primary market and suggest measures to improve it. Some of the main recommendations of the group were introduction of institutional arrangements to compensate investor in the event of broker defaults, standardisation of accounting norms by companies, compulsory market making, popularisation of book-building, better credit facilities for brokers, popularisation of scripless trading, introduction of derivative trading and steps to reduce cost of issues. These recommendations are under various stages of implementation.

Expansion of Air Services by Air India

*324. SHRI JANARDHANA POOJARY: Will the Minister of CIVIL AVAIATION be pleased to state:

(a) whether Air India has submitted any proposal to Government to allow it to expand its operations; if so, the details of the proposal and when it was submitted;

(b) whether any decision has been taken on the proposal; if so, the details thereof;

(c) if no decision has so far been taken, the reasons for the delay; and

(d) the time by when a decision is likely to be taken?

THE MINISTER OF CIVIL AVAIATION (SHRI ANANTH KUMAR): (a) No such proposals have been submitted so far.

(b) to (d) Do not arise.

कपड़ा उत्पादन की क्षमता

*325. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अद्यतन स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र और गुजरात सहित देश में कपड़ा उत्पादन की राज्य-वार कुल क्षमता कितनी-कितनी है;

(ख) इस मांग को पूरा करने के लिए कितनी क्षमता की आवश्यकता है और उसके लिए कितनी धनराशि की आवश्यकता है;

(ग) इस दिशा में वांछित परिणाम प्राप्त करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी हेतु उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस संबंध में कितनी सफलता प्राप्त हुई है

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा):

(क) उपलब्ध सूचना के आधार पर एक विवरण-पत्र संलग्न है **(नीचे देखिए)**

(ख) कुछ समय से कपड़े का उत्पादन तथा प्रति व्यक्ति उसकी उपलब्धता में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त उपलब्ध सूचना के अनुसार सामान्यतया कपड़े की प्रति व्यक्ति उपलब्धता प्रति व्यक्ति खपत से अधिक रही है। वस्त्र एककों की निधि आवश्यकताओं के बारे में उल्लेखनीय है कि इनमें समय-समय पर तथा अलग-अलग एकक के लिए भिन्नता रहती है।

(ग) वस्त्र एककों का निवेश तथा प्रबंधन अधिकांशतः निजी क्षेत्र में है। यह नोट किया गया है कि कुछ समय से विभिन्न क्षेत्रों में वस्त्रों के उत्पादन में सामान्यतया वृद्धि हो रही है। उदार वातावरण में सरकार मुख्यतः सुविधा प्रदान करने की भूमिका निभा रही है तथा जब कभी भी मांग होती है तब प्रौद्योगिकीय उन्नयन निधि योजना और कपास प्रौद्योगिकीय मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से हस्तक्षेप करती है।

(घ) यह पाया गया है कि कपड़े की प्रति व्यक्ति उपलब्धता कुछ समय से बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त निर्यात किए गए वस्त्र उत्पादों की मात्रा में भी सामान्यतया वृद्धि हुई है।